

✧x...°* * *°...x✧

श्री चिंतपूर्णी देवी की आरती
Mata Shri Chintpurni Devi Arati

✧x...°* * *°...x✧

॥ श्री चिंतपूर्णी देवी की आरती ॥

चिंतपूर्णी चिंता दूर करनी,
जग को तारो भोली माँ
जन को तारो भोली माँ,
काली दा पुत्र पवन दा घोड़ा ॥
॥ भोली माँ ॥

सिन्हा पर भाई असवार,
भोली माँ, चिंतपूर्णी चिंता दूर ॥
॥ भोली माँ ॥

एक हाथ खड़ग दूजे में खांडा,
तीजे त्रिशूल सम्भालो ॥
॥ भोली माँ ॥

चौथे हाथ चक्कर गदा,
पाँचवे-छठे मुण्डो की माला ॥
॥ भोली माँ ॥

सातवे से रुण्ड मुण्ड बिदारे,
आठवे से असुर संहारो ॥
॥ भोली माँ ॥

चम्पे का बाग़ लगा अति सुन्दर,
बैठी दीवान लगाये ॥
॥ भोली माँ ॥

हरी ब्रम्हा तेरे भवन विराजे,
लाल चंदोया बैठी तान ॥
॥ भोली माँ ॥

औखी घाटी विकटा पैँडा,
तले बहे दरिया ॥
॥ भोली माँ ॥

सुमन चरण ध्यानु जस गावे,
भक्तां दी पज निभाओ ॥
॥ भोली माँ ॥

चिंतपूर्णी चिंता दूर करनी,
जग को तारो भोली माँ

<<•• * ••>>

॥ Mata Shri Chintpurni Devi Arati ॥

Chintapurni chinta door karani,
Jag ko taaro bholi maa.
Jan ko taaro bholi maa,
Kali da putra Pavan da ghoda.
Bholi maa.

Sinha par bhai aswaar,
Bholi maa, chintapurni chinta door.
Bholi maa.

Ek haath khadag dooje mein khaanda,
Teesje trishool sambhaalo.
Bholi maa.

Chauthe haath chakkar gada,
Paanche-chhathe mundon ki maala.
Bholi maa.

Saathve se rund mund bidaare,
Aathve se asur sanhaaro.
Bholi maa.

Champe ka baagh laga ati sundar,
Baithi diwaan lagaaye.
Bholi maa.

Hari Brahma tere bhavan viraaje,
Laal chandoya baithi taan.
Bholi maa.

Aukhi ghaati vikata pinda,
Tale bahe dariya.
Bholi maa.

Suman charan dhyaanu jas gaave,
Bhaktaan di paj nibhaao.
Bholi maa.

Chintapurni chinta door karani,
Jag ko taaro bholi maa.

✧_x.....°* * *°....._x ✧